लोथल में उत्खनन स्थल का धसाव

स्रोत: हिन्दुस्तान टाइम्स

हाल ही में हड़प्पा स्थल लोथल में शोध उत्खनन के दौरान एक शोध छात्रा की उत्खनन स्थल पर मिट्टी धसाव के कारण मृत्यु हो गई।

- **लोथल का परिचय: गुजरात के भाल क्षेत्र** में स्थित लोथल हड़प्पा सभ्यता के **सबसे दक्षिणी स्थलों** में से एक है।
  - **ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण 2200 ई.पू.** में हुआ था।
  - इसका उत्खनन वर्ष **1954 में एस.आर. राव ने की थी।**
  - गुजराती में लोथल का अर्थ है **"मृतकों का टीला"**। (सिंधी में मोहनजोदड़ो **का** भी यही अर्थ है)।
  - यहाँ **विश्व का सबसे प्राचीन ज्ञात गोदीवाड़ा था,** जो शहर को **साबरमती नदी के प्राचीन मार्ग से जोड़ती थी।**
    - यह हड़प्पा सभ्यता का **एकमात्र बंदरगाह शहर है।**
  - लोथल को अप्रैल 2014 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था।
  - **लोथल** में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NHMC) **विकसित किया जा रहा है।**
- **सुरकोटदा** और **धोलावीरा** गुजरात के अन्य महत्वपूर्ण **हड़प्पा स्थल हैं।**

और पढ़ें: लोथल: विश्व का सबसे प्राचीन ज्ञात गोदीवाड़ा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/excavation-pit-collapsed-in-lothal